

# FERAHNÂK-AŞÎRÂN ŞARKI

CÜNEYD KOSAL

Ağır aksak

Öy le Mec nû --- nem kí ma' --- şû ---

--- kam be nim Ley --- lâ --- de ğil (--- SAZ ---

--- Çün kí Ley --- lâ --- nin ce mâ --- li ---

--- Ben a nin --- dil --- mes tî - yem --- mes ---

--- hüs ni lâ yef --- nâ --- de gil (--- SAZ ---

--- tî - ve ren sah --- bâ --- de ğil ---

--- ) Çün kí Ley . lâ --- nin ce mâ li ---

--- Ben a nin dil --- mestî yem mes ---

--- hüs ni lâ --- yef --- nâ --- de ğil ( SAZ

--- tî - ve ren sah --- bâ --- de ğil --- "SON"

--- ) Bir şe râ bım --- var kí hül --- yâ ---

--- dan gü zel ân --- dan --- le zîz (--- SAZ ---

Öyle Mecnûnem ki mâ'sukam benim Leylâ de ğil  
Çünkü Leylâ' nin cemâli hüsni-lâ-yefnâ de ğil  
Bir şerâbım var ki hülyâdan güzel, ândan lezîz  
Ben anın dil mestiyem, mestî veren sahbâ de ğil

"B.T.: 25.2.1987"

"Bestekârı'ndan"

( Güfte: Çedîkçi Süleymân Çelebi )